

सिंहाखधन... अरुमी अरुम ॥ दिगि धर्म अरु ॥ दर्म दय म पा...
दय ॥ लंचू उियात उ य अरुमी ॥ अरुयात मी अरु ॥ चवदन म पा...
पत्तम्मदीन जाति ॥ कुरुलीके वलसा धक्क महुन साका धकाइ ॥ अमा
पासी सानमानहु ॥ ग्रसे ॥ कनियाम पण्ड गड दय म ॥ ॥ जनादि नर
उदय मोर्षे म ॥ ॥ सीवाह लदाइ थ दिन त्याद्यटी जिंघाटि महुन सा थ क
ई वादीन दाइसा कथकोइ ॥ ॥ मयसधा नी विसन्ता ॥ ॥ वेगास

1875

594

ॐ ॥ वृगंयान्, याग कृद् नथसधंन, यद् कृ काद् यन्मवाकला ॥ लूक्यात
नालायान्, हालगनयान् दूनास्व निवास्व उदय अक्कि ॥ च ॐ ध्वनयान् :
यूनिगि उदय ॥ ॥ अक्क ॐ ॥ निधिनखान् वळी उदय ॥ यनातियान् च
वदग उदय ॥ ॥ अक्क ॐ ॥ त्वं त्वं यान् अक्कमी अक्क ॥ ॥ आवाउक्क
गयनदादणी उक्कणीयय ॥ ॥ आवाउक्क ॥ गंणमावदग ॥ ॥ आवण
ॐ ॥ यूनिगियं कृद् नव सधमवाय ॥ यद्विलिगंन निठिगिधज्ञ चवदगय

अय एवणलाक्क यूनिगिस लानसा धक्क ॥ उदयगुथादणी जलवाय
याग कृद् चय ॥ ॥ आवणक्क ॥ याग सायान् ॥ कक्क अक्कमी धर्म ब्राहिणी
लाल उदय प्रमान ॥ शगादि गुथादणी उदय वंदयान् ॥ (गाकर्णयान् अ
मावणी उदय ॥ ॥ अदयद ॐ ॥ कृद् दधर्म नितारव उदय ॥ एन्दला
वाथाक्क अक्क ॥ काकयं चमी उदय ॥ यिनायराउधर्म वदजान गिठिउ
दय ॥ महालक्की धर्मवदजान्, अक्कमी उदय ॥ सक्कमी धर्म अक्क ॥ एन्द

स्वाय उदयदादणी यंकूलिववाय पाशजनसनाः॥ अननकवतचवद
गउदय ॥ ॥ रादयदकक ॥ महालक्ष्मीधर्मअरुमी वागिस मूरुहृदि
उन्नसा धकाकू मउलसा दधकाकूअरुस ॥ नवमी अमावासी यादउद
य, यकृग्रादया अमावासीन जिमकाकूकूकूनिस्य ॥ ॥ अग्निनउक ४ ॥
नवत्रावस्वनउदयदिगिनजिदू दव अमावाणि धशन याशंधशन ॥ वा
कूकूकू प्रजामस, उकूकाकू स्वधुमस, जिदूकूकू यायाव ॥ याशन दिगिजिम

कूकूशनसा अरुमीप्र नवमी काकूस्वधुमस, नवमीप्र दगमीखानकं चान
न, चानसं वलक्षिधशन जिमकूकूस्वनक, मतव ॥ स्वधुस्वन वला मूर्यग
नेधन अंगाल वादू धतलग्नस मदतसा यायग्रहया कंकाय, अरुमी वि
ष्टिनकनकं ॥ नवत्रावस्वन चालनयाय उरुलग्नस मदतसा उरुया कं
काय ॥ यायातवान दिग चदु दिगस्वयाव ॥ चहृथी स्वधुकंथय, यायात
न यंकूलिवकूकू ॥ ॥ यथादिमउलयाग, उदययचमी ॥ चवदग सतिगल

यात ॥ विगानग्रथादणीडदय ॥ कार्लिकधर्मभर्तविद्य यूनिगिडदय ॥ या
अ चरुजय ॥ ॥ अग्निनक्षत्र ॥ लक्ष्मीयूजा अमावासी अस्त ॥ ॥ कार्लिक उ
क्त ॥ सुखनात्रि पाञ्च यमदूनाख अस्त ॥ वक्रवर्चमी कार्लिकधर्म धूनक उ
दय यूनिगि चन्द्रमास अर्धविसर्ग दाढा यूनिगिधर्म अस्त ॥ कार्लिक उक्त ॥
वाल्म्यात चवदश उदय ॥ ॥ मार्गगिउक्त ॥ मनधिनना धर्मनवमी उद
य ॥ यूनिगिया अस्त वायूजा याय द्वा मशतसा सनिका द्वा ॥ ॥ मार्गगि

शुद्धि मयना ॥ ॥ अष्टा सुधा दय ॥ अष्टा सुधा दय ॥ अष्टा सुधा दय ॥ अष्टा सुधा दय ॥ अष्टा सुधा दय ॥
नाम कलेश मनि पंगवेष ॥ मन विनायक वर ॥ ४
नक्षत्र ॥ सवादय दिगि अस्त ॥ वाक्कयूजा उदय ॥ ॥ योष उक्त ॥ जमलगणि
द्रवन, अष्टमी उदय ॥ लक्ष्मीभना यूनिगिया द्वा द्वा ॥ भना कयक यनिः
नि अस्त ॥ माघी द्वा उदय ॥ ॥ माघ उक्त ॥ श्रीवर्चमी उदय ॥ यिना ला
ल धर्म अष्टी, सयमी स्नान उदय ॥ स्वस्तीयनम ग्वनी धर्म, माघी पूर्ण
यूनिगि उदय ॥ ॥ माघ उक्त ॥ गिवना धर्म वलिचवदश का द्वा उदय वास
हा लुग उक्त ॥ समदयात यूनिगि उदय ॥ हा गुयाय अस्त ॥ ॥ हा लुग उक्त ॥
पुणादचवदश अस्त ॥ ॥

१ रुद्रागणन ॥ नलाह्यावयाव ॥ ॥ अन्नयासन ॥ मास ७ यियकाव सम
 स्रुतव कायया ॥ मास ४ यियकाव विषमस्रुतव, क्कवया ॥ ॥
 चूजकर्णकर्णवध ॥ वर्ष ४ यियकाव, विषमस्रुतव, चतुर्वर्णिया ॥ ॥
 वृत्तवधन ॥ वर्ष १ दयकाव वाक्कलया ॥ वर्ष १ दयकाव, नाजाया ॥ वर्ष १२
 दयकाव वैयया ॥ वर्ष १२ यियकाव शुद्धया अनिषदिय ॥ ॥ विवाहा ॥
 वर्ष १४ यियकं चतुर्वर्णिया ॥ निचूय समववस ॥ ॥ ग्रहयाय ॥ वर्ष ३

मास ३ धतदस्यं निरस्यं समववसि स्रुतव ॥ ॥ ववतीया अंतस दटी ५ अ
 ग्निनीया आदिदटी ३ ॥ अष्टमश्रु मद्यडा ॥ अष्टम मूलडा दटी ७ (ध ९
 धतया अन्नसजात शनकाव गलानकाक धर्मधशन ववधशन नि
 यरुव ॥ ॥ तृतीयस अंगान गनेयव नादु क्कथास कुर्गाधशन वा
 नसांथं कमलीक ॥ ॥ अंगान गनेयव नादु क्कथास नकाधा ववान
 सा ववमाम मलीक ॥ ॥ मीनया अन्नस मयया अदिस वाद्यटि धवन

द्यटि रुच ॥ कर्कटडासिंहडा ॥ विक्कडा धनडा ॥ नागियांलग्नयांमडा ॥
एवालवध ॥ वा, मृ, आ, य, य, डडा, डडा, ए, अन, स्वा, मू, न ॥ वा, न, आ, अं, वृ ॥
रुलप्रागन ॥ न अवि, मृ, रु, वि, स्वा, य, य, वा, अन, अ, मृ, य, ध, ग, डडा ॥ वा, न, आ
वृ, वृ ॥ ॥ अनप्रागन ॥ अवि, वा, मृ, य, य, म, डडा, रु, वि, स्वा, वि, अन, अ, मृ
य, ध, ग, न ॥ वा, न, आ, वृ ॥ ॥ कर्कवध ॥ अवि, मृ, य, य, रु, वि, स्वा, अन, अ
य, न ॥ वा, न, वृ ॥ ॥ वृगकर्क ॥ मृ, य, य, रु, वि, स्वा, अ, य, ध, ग, न, अवि ॥ वा

न, सा, वृ ॥ ॥ वृगवध ॥ अवि, मृ, य, य, रु, वि, स्वा, अ, य, ध, ग, न ॥ आ, वृ ॥
विद्यांनमृ ॥ अवि, मृ, वा, य, य, म, य, डडा, रु, वि, स्वा, अन, मू, ध, न ॥ आ, वृ ॥
यंसवन ॥ सीमन ॥ मृ, आ, य, य, य, डडा, रु, मृ, य, य ॥ वा, न, आ, अं, वृ ॥
नवानरुक्कण ॥ अवि, रु, वा, मृ, य, य, डडा, रु, वि, वि, स्वा, अन, मृ, य, आ, वृ
वृ ॥ ॥ विवाहा ॥ वा, मृ, म, डडा, रु, स्वा, अन, मू, न ॥ वृ, वृ ॥ सकातिधि
वर्जयन् ॥ ॥ धनवध ॥ अवि, रु, मृ, आ, य, य, म, डडा, रु, वि, स्वा, य ॥ आ, अं, वृ

७॥ ॥ उरुमयागा ॥ अग्नि मृ यथा ह अन ऊ मून ॥ वृ द ७ ॥ तिथि १२३
२११०११३॥ ॥ मध्यमयागा ॥ वा यू ३ वि स्वा ए धन ॥ ॥ अधमयागा
रु आ म उ ३ वि रु अ ॥ ॥ नववक्षयागा ॥ वा मृ यू य उ ३ रु वि स्वा अन
अ ए धन ॥ अं द ७ ॥ ॥ लखादिधावण ॥ अग्नि स्वा उ ३ रु वि स्वा अन न ॥ व
द ७ ॥ ॥ वक्रियनियरु ॥ वा मृ य क वि अ उ उ उ न ॥ वा न आ वृ द ७ ॥ ॥
वसुकार्य ॥ अग्नि वा यू य उ ३ रु वि स्वा वि अन धन ॥ वृ द ७ ॥ ॥

१ गुरुप्रवण ॥ वा मृ य म उ ३ रु स्वा मृ ए धन न ॥ वा न आ सा वृ द ७ ॥
गुहानम ॥ अग्नि वा मृ उ उ उ रु स्वा अन ॥ वृ द ७ ॥ ॥ प्रतिस्तु ॥ वा य म
उ उ उ रु वि अन ऊ मृ ए धन ॥ वृ द ७ ॥ ॥ कविकर्म ॥ अग्नि वा मृ य
म उ उ उ रु स्वा वि अन ऊ मृ ए धन न ॥ आ सा द ७ ॥ ॥ नागस्तान ॥ रु
क य म यू यू वि अ ए धन न ॥ आ अं ग ॥ ॥ कृयावम ॥ वा म उ उ उ रु
अन धन ॥ वा न वृ द ७ ॥ ॥ रेष अरु कण ॥ अग्नि मृ य ह वि स्वा मृ ए

धनं॥ वाच आशा वृत्तु॥ ॥ (गात्रालनादि॥ कथं मरुत्वा विष्णु
असूधनं॥ आशा वृत्तु॥ ॥ वृत्तावायन॥ वा अडडड विष्णु॥ सा
वृत्तु॥ ॥ अथकर्म॥ अग्नि यथा रुत्वा गनध॥ वाच आशा वृत्तु॥ ॥
चतुष्टयमनव॥ वा मडड ३७॥ अंग निधि ८॥ १३॥ ॥ वृत्त॥ अग्नि
मय अडड रुत्वा अनू यधनं॥ ॥ वृत्तिकर्म॥ कथा विडडड
वाच आ वृत्तु॥ ॥ वाजादगनि॥ अग्नि मय अडड रुत्वा यधनं॥ आ वृत्तु॥ ॥

वाजादगनि॥ अग्निनी मय अडड रुत्वा यधनं॥ आ वृत्तु॥ ॥ विक्रय
रु यूपयू आ अग्नि मय विवि अकर्म॥ ॥ कथ॥ अग्नि यथा वा मय यधनं
अनूडडड रुत्वा॥ ॥ मयाचम॥ रु आ अग्नि मय ३ अमूग॥ आशा अ॥ ॥
नायाचम॥ अडड रुत्वा अनू यधनं॥ आ वृत्तु॥ निधि २। १०। ११। १२। १३॥ ॥
नयकर्म॥ अग्नि मय रुत्वा यधनं॥ आ वृत्तु॥ ॥ वाजालिक॥ अग्नि वा मय अडड
रु अनू यधनं॥ आ वृत्तु॥ ॥ नृत्यसिद्धि॥ अग्नि यथा रुत्वा अमूग॥ आ

वृ॥ ॥ वीजावायन ॥ अग्नि मृषा मड ३ रु वि स्वा अन मृधन ॥ अ वृ वृ ॥
 मृना हादि धावन ॥ अग्नि वा य मृषा ३ रु स्वा वि अन क ग न ॥ अ ग ॥ ॥
 वाज यून पुवन ॥ मड ३ रु स्वा मृधन ग न ॥ वृ वृ ॥ ॥ अ धान ॥ वा मृ य मृ
 ३ रु वि अन ग ध ॥ ॥ अ धा मरु ॥ रु क अ म मृ ३ वि मृ ॥ ॥ उ र्ध्व मरु
 वा मृ मृ ३ रु ग न ध ॥ ॥ त र्ध्व क मरु ॥ अ य रु अग्नि मृ न अन स्वा वि ॥
 उ रु म रा गा ॥ अग्नि मृ य मृ रु अन अ मृ न ॥ वृ वृ ॥ ॥ म धा म या वा ॥ वा य ३

स्वा वि मृ य ॥ ॥ अ धा म या वा ॥ वि उ ३ म अ र अ मृ क ॥ ॥ अग्नि न क
 मृ न न क क उ र्ध्व नी स्नान या ॥ सा वा या वा अ या मा र्ग ग नि क ० रु न मां उ स
 उ व न दू य क वा य च क न न ला व स्नान या य वा स्व स्य ॥ न न का स न वि र
 यु क य म ना ज न य ल या य न न क वा स म मा ल क या न ॥ न न क क उ र्ध्व नी ना म

अादि त्य वि ध वा ना नि मा म ना नि प्र नि व ना मं अ न च रु व र्ध स्मा य ध ना
 नि शा ल म्भ म व च रु र्ध्व नि मृ न श्री मा न उ क्क व य नि व न्ना न ना र्ध

ना ॥
 वि जा नि या य म सि न ज्ञा

विद्यागशयू ॥ ॥ यचमसर्वदया ॥ सू ॥ श्रीडाविद्यागशयू, नागशयू, :
गक्रदयू ॥ ॥ च ॥ व्याधिदू४ख (गा) क शयू ॥ ऊं ॥ नागदयू, यूरु श्रीयाक
नरुय ॥ वू ॥ श्रीयूरुयाकन कलंकदयू ॥ व ॥ यूरुगार्थसरव लारु ॥ ॥ ॥
अर्थकुष्ठिलारु गक्रनाग ॥ ग ॥ दाषात्यालि विवादशयू धनयूरुविद्याग
मलसर्वदया ॥ सू ॥ नाग (गा) क नाग लारु ॥ वी ॥ सरवूशयू ॥ ऊं ॥ गक्र
नाग धनवृद्धि ॥ वू ॥ सुनसीराग्य संयदवृद्धि ॥ व ॥ दू४ख गक्रवृद्धि

गक्रनजयनययू ॥ ॥ ॥ नागीशयू ॥ ग ॥ दिवाश्रीडाक्रीजदयू, गक्रवाय मा
य ॥ ॥ सयमसर्वदया ॥ सू ॥ दू४खलारु यूरुनागशयू ॥ च ॥ मानविक
गया दूमिषादि ॥ ऊं ॥ नाग श्रीवाकलरु ॥ वू ॥ कलरु मलिनीयू ॥ व ॥ श्री
मलिनी अन्नगया वक्रु धनलारु ॥ ॥ ॥ श्रीयाकनदू४ख ॥ ग ॥ दू४खानव
नमावयू, धवजनवावायू ॥ वषाहीन ॥ ॥ अयमसर्वदया ॥ सू ॥ नागलास
दयूव दू४खमृत्कशयूरुव ॥ च ॥ मिखाग्यायू ग्याकदयू ॥ ऊं ॥ अर्थनागयाव

दयुव मृत्कृशयंरुव ॥ वू ॥ विरु यूरुशोरुव लायू ॥ वू ॥ अर्थमानकानि ग
गुरुय मनन ॥ उ ॥ रिन्नकालक्रीदयू ॥ ग ॥ कूवाटनवनीव यूरुश्री धनडा ॥
विथाग ॥ कीणदरुशयू ॥ ॥ नवमसर्वदया ॥ मू ॥ नाग लाकदषीदू ॥
ख ॥ च ॥ यट्नाय कीणदरुशयू ॥ अ ॥ यट्नाय अर्थनाग रुयदयू ॥
वू ॥ मिखायायू ॥ व ॥ कूवायायनयानसना ॥ अर्थसिद्धि सुखलारु ॥ उ ॥
धर्म अर्थमान्य लारु ॥ ग ॥ अर्थनाग श्रीयूरु गुरुतयीग यायू ॥ पायवनि

शयू ॥ ॥ दगमसर्वदया ॥ मू ॥ कार्यसिद्धिजयलारु ॥ व ॥ कूवायायनः
सिद्धयू ॥ अ ॥ ॥ नाकलारु अर्थनाग ॥ वू ॥ धनश्री सुखवियू नियूनाग निना
गशयू ॥ व ॥ अमंगलदयू ॥ उ ॥ विरुनाग ॥ ग ॥ मंत्रयायप्रकशयूजगवि
या अर्थनाग ॥ ॥ एकादगसर्वदया ॥ मू ॥ मान्यलारु ॥ व ॥ गेश्वर्यमिगु
रुषलारु ॥ अ ॥ अर्थजयलारु ॥ वू ॥ धनयूरुश्री मिगुशोरुव लारु ॥ व ॥ सी
खा सुन अर्थवियू ॥ उ ॥ श्रीयूरु अर्थ अन्नवियू ॥ ग ॥ नानाधनलारु नि

कृता गङ्गाग ॥ ॥ द्वादश सर्वदया ॥ सू ॥ च ॥ अ ॥ व ॥ ग ॥ अग्नि वाजस
 यः श्री कथना न विनागः सनाय गङ्गाद्वि यवाजय विरुनाग वागीशय
 पु ॥ यत्र श्री सुगंध मालादिधन मंगल सुदत्त प्रत समृद्धि ॥ ॥ बाह्या ग
 टा ॥ १० ॥ ४ ॥ ३ ॥ धन कथा सर्वदया ॥ धन लारु निवागी शौखा स्नान स्वजन
 मान सनाः वृद्धि ॥ ॥ १ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ १ ॥ २ ॥ १२ ॥ धन कथा सर्वदया ॥ नाना
 यीग ॥ वीरुयः गङ्गायीग अर्थनाग वागी प्रवाग मन्त्र उग्र विवाद ॥ ॥

कडुया ॥ ३ ॥ ४ ॥ १ ॥ धन कथा सर्वदया ॥ गुरु विजय जग वक्त वस्तु धन
 मित्र सुवर्ण लारु ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ २ ॥ १ ॥ ८ ॥ २ ॥ १० ॥ १२ ॥ धन कथा सर्वदया
 अष्टया नः सनाय (ग) करुयः विद्यार्थ अत्यन्ताय मानया नः ॥ अग्नि वाजस ॥

१ अग्निमी ॥ अश्वदवता ॥ सला वाहन ॥ सला सत्त्व ॥ दव जाति ॥ वायु मधुल ॥ ॥
 रुवणी ॥ यमदवता ॥ प्रव वाहन ॥ किलि यत्त्व ॥ मान्ण जाति ॥ आग्रय मंडल ॥ ॥

१ मकुष	१०	१	१	३	२	८
काष्ठक	८	८	१२	११	२	३

विषु	३
वल्गु	८
	१२
क्रि	१
वल्गु	२

१ मिष	२	८	३	८	३	८
काष्ठक	१	११	१०	१२	२	१

वैश्ववर्ण	११
गुडवर्ण	१०

१ मूलतिकाण॥

मूर्य	८।२०
चन्द्र	३।३
श्रृंग	१।२०
वृध	८।१२
वरु	२।२०
पुक्र	१।२०
गने	११।२०

१ उच्चरवन

मूर्य	१
चन्द्र	२
कूज	१०
वृध	८
जीव	३
पुक्र	१२
गने	१

१ नीचकृत॥

मूर्य	१
चन्द्र	८
कूज	४
वृध	१२
जीव	१०
पुक्र	८
श्रीनि	१

१ स्वकृत॥

मूर्य	८
चन्द्र	३
श्रीम	१।८
वृध	३।८
जीव	२।१२
पुक्र	२।१
श्रीनि	१०।११

१ अन्तः सफा १४ अमर्क १२ क
 दणमरु १० निगाकन। दृष्टानिष्ट
 युदा नारु नकुर्यादुरुयर्गनि ॥
 १ अवनानि नदिवाव ध्वगलाले मनेव॥

१ सफमस सूर्यवंनसा रुल यूनषवा वास्यं निरिंन वने ॥ सफमस गने पन
 वनसा ठयदंनलि यूनषभायिव ॥ सफमस अंगान वनसा सिंधुस्कन म
 लिठ ॥ अष्टमस सूर्य अंगान गनिपन धतस कृष्णांधजन वनसा सिंधुस्कन
 मलिठ यूनषभायिव ॥ ॥ द्वितीयस वरुस्यति वनसा अष्टमस वांठग्रहाव ॥
 वरुस्यति थजन पुक्रांधजन अष्टमस वनसा सिंधुस्कन लिठ ॥ उरया कसर्व
 नसा ॥ उच्च स्वक्र, मिशया कसवानसा, पुरनखानसा सिंधुस्कन लिं, मलिती ॥

१ कलिक यूष्य कुग ॥	वाहिली मृगलि नाग ॥	आडा मूल स्वान ॥	यूनर्वस अष्टम माऊनि	मद्य पूर्वरा मूष ॥	उरुवरा उषा उर (गा ॥	रुस स्वाति महोष ॥
चित विणारव वाद्य ॥	अनूनार अष्ट मृग ॥	अलिजित नवल ॥	एवण पूर्वाषा मर्कट ॥	धनठ पूर्वर सिरु ॥	अग्निनी गत अष्ट ॥	ववती रुनली गज ॥

देवजाति नमजाति नाकसजाति

रु	वा	आडा	अ	रु
स्वा	न	नालि	अ	वि
मृ	अन	उडउ	वि	म
अवि	य	रु	मृ	न
प्रव		यूयूयू	ध	

१ रु. अ. ००५५
 वा. डा. व. वि. व.
 मृ. व. वा. क. कि.
 आ. क. य. क. क.
 यू. क. का. रु. रि.
 वा. रु. रु. ला. उ.
 अ. रि. उ. उ. उ.
 म. म. मि. मृ. म.
 यू. मा. ट. टि. ट्.

ड. ट. टा. य. पि.
 रु. यू. म. न. ०.
 वि. थ. य. अ. नि.
 स्वा. न. न. न. न.
 वि. ति. उ. न. ता.
 अ. न. नि. न. न.
 अ. ना. य. पि. य.
 मृ. थ. य. रु. रि.
 यू. उ. ध. रु. ट्.

ड. रु. रु. अ. जि.
 अ. रु. रु. अ. रु.
 प्र. खि. रु. खि. रु.
 ध. ग. नि. मु. ग.
 न. ग. ग. नि. मु.
 यू. ग. ग. द. दि.
 ड. द. थ. म. अ.
 व. द. य. अ. वि.
 अ. व. व. वा. ल.
 न. लि. ल. ल. ला.

डु. वि.	संयद	संयलि	मृ. लि. ला.	अ. नि.
या. पि. २३	२८	३	मृ. यू. ९	रु. य. ग.
म. रु.	यू. न. २९	यू. न. स.	नि. वि.	ग. वि.
नि. वि. २२	ल. रु.	रु. व. २	या. पि. ८	ना. ग. १
यू. न.	म. रु.	मृ. यू.	म. रु.	व. ध. वि.
या. पि.	या. पि.		ना. ग.	
ड. वा. दि.	क. ल. रु.	म. न. ग.	संयलि	अ. य. द.
मान. १२	१८	१८	१२	१०
व. रु. ला.	ध. न. १८	नि. वि. १३	यू. न. १९	यू. न. ११
रु. १०	ल. रु.	ल. रु.	ल. रु.	ल. रु.

१ रु. वं. थं. थ. मि. व. वं. थ. ला. व. कं. थ.
 त. क. थ. या. क. का. थ. ल. म. न. न. व. क.
 न. न. व. या. रु. ल. स्व. य. ॥ ॥

१ नदत्र			नवधातु		
१ लीमत्रय	वडसदु	मरुनय	मूर्यमनि	मूर्यनिजय	
वर्ष ११	वर्ष ८९	वर्ष ८८	वडमटि	वडनरव	
मास १	मास ४	मास ८	अंगापुल	अंगापुल	
दिन १	दिन ०	दिन ८	वूधमयन	वूधन	
			वूरुपयन	वूरुमूति	
			पुऊरुन	पुऊडाहा	
			गनेनीन	गनेकल	
			नारुगमि	नारुन्या	
			कउवदान	कउनाडन	

कलाकलचका ॥					
अ००००	अ००००	अ००००	कल	अकल	कलाकल
मरुलक्ष	वक्राणी	कीमानी	वडुधी	पुन	दि
द्विउद	थागि	यंदु	अकमी	रुपू	व
०००००	नीचका	आगिगुनी	दाद	यश्रमा	द
सवायू	षयवद	वनदा	वडुद	सन	
वडुगुनी	मरुगुनी	नानायनी			